अनुशिक्षक

प्रेम की स्पर्धाएं

स्पर्धा 1

प्यार–बनाम–स्वार्थता

यीशु क्रूस पर मरते हैं

(मत्ती 27: 27–56)

याद करने की आयत:

1 यूहन्ना 3:16

➡ **हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने** हमारे लिए अपने **प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए।**

रिंग के अंदर

आपके दोस्त द्वारा सुझावित एक खेल खेलो, उस समय तक खेलो जबतक वे चाहते हैं (यदि अनुमति हो तो) और तब तक खेलो जब तक वे चाहते हैं। आप उनको न बतायें कि आप क्या खेलना चाहते हो। इस समय, आपकी इच्छाओं को महत्व न दें, क्योंकि आप अपने बारें में न सोचते हुए उनके प्रति सच्चे प्यार को दिखा रहो हो।

स्पर्धा 2

प्यार–बनाम– न्यायी रवैया

तिनका और लट्ठा

(मत्ती 7: 1–5)

याद करने की आयत:

मत्ती 7:1–2

➡ **दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए।;क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।**

रिंग के अंदर

किसी को कहें ''अच्छा किया'' और जो आपको अच्छा लगा है उस पर उनकी सराहना करें। जेब में रखने लायक एक छोटा दर्पण हमेशा अपने साथ पूरे दिन रखें। जब आपको किसी पर दोष लगाने का प्रलोभन होता है, तब अपनी जेब से उस दर्पण को निकालें और अपने आप को देखें। अपने आप को स्मरण कराएं कि आपको दूसरों के दोष को दूर करने की आज कोई आवश्यकता नहीं है।

''चैंपियन्स्, आत्मा के फल के द्वारा'' में आपका हार्दिक स्वागत् है! आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन्स् बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें उनके दैनिक जीवन में आत्मा के फल को कार्य में लाना होगा। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होते हैं, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में केवल सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' जाना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग उनके लिए असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही उसे स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य पूरा कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वास्तव में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद ही नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे!

आपकी जिम्मेदारियां:

- आप अपने बच्चों के समूह के लिए एक कोच या अनुशिक्षक बनें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

पुरस्कारः

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें।

छोटे साप्ताहिक पुरस्कारः

- गले मिलना
- हाई–फाईव
- उनके टी–शर्ट या कमीज़ के लिए स्टीकर
- हाथ पर कोई टेटू या मोहर
- एक छोटी कैंडी

महीने के अंत में बड़े पुरस्कारः

- पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों को स्वर्ण, चांदी और कांस्य पदकों को दिया जाएगा। (जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कांस्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। इसके अलावा, हर हफ्ते 2 पंच के लिए कांस्य पदक, 3 पंच के लिए चांदी और चार पंच के लिए स्वर्ण पदक दे सकते हो।)
- आपके घर में एक पार्टी
- प्रमाण पत्र
- किसी बड़ी कलीसिया में वयस्कों के सामने कोई उपहार देना
- ट्रॉफी

प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें जबकि आप अपने विद्यार्थियों को आत्मा के फल में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो!

स्पर्धा 3

प्यार–बनाम– घृणा

यहूदा यीशु को पकड़वाता है (मत्ती 26: 14–16)

याद करने की आयत:

1 यूहन्ना 4:20

यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं; और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा है: क्योंकि जो अपने भाई से, जिसे उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।

रिंग के अंदर

ऐसे व्यक्ति के साथ कोई अच्छा काम करो जिसे आप नापसंद करते हो। जब आप किसी दूसरे को धोखा करते या उलझते हुए देखते हो तब भी अपनी जुबान को रोके रहो। उनके बारे में बात न करें या न ही उन्हें मुसीबत में डालें।

स्पर्धा 4

प्यार–बनाम– स्व धार्मिकता

अच्छे सामरी का दृष्टान्त (लूका 10: 25–37)

याद करने की आयत:

लूका 10:27

उस ने उत्तर दिया, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते किसी जरूरतमंद की मदद के लिए रूकें, और उन सभी बहानों से बचें जो आपको ऐसा करने से पीछे धकेलता है। किसी ऐसे जन के लिए कुछ खास करो जो समाज में आपके बराबर का नहीं है।

स्पर्धा 5

प्यार–बनाम–आत्मिक घमंड़

दाऊद राजा होने के लिए चुना गया (1 शमूएल 16:1–13)

याद करने की आयत:

1 कुरिन्थियों 13 : 4–7

प्रेम धीरजवन्त है, और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।

रिंग के अंदर

परमेश्वर से पूछें कि क्या कोई ऐसा आत्मिक अभ्यास है जिसे आपको रोकनी चाहिए, जबकि आप अपने ध्यान को प्यार की ओर ले जाते हो। इस हफ्ते प्यार को दिखाने के लिए अधिक कार्य करें। घमंड़ न करें, वहीं करें जो दूसरों के लिए उत्तम हो, न कि अपने लिए, और साथ ही लोगों को उनकी गलतियों के लिए जिम्मेदार न ठहराएं।

छात्र

1

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					

2

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					

3

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					

4

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					

5

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					

6

स्पर्धाएं

	1	2	3	4	5
जाब					
हुक					
क्रोस					
अपरकट					